कानपुर, झांसी व लखनऊ बने रक्षा निवेश के सबसे बड़े गढ़

अमर उजाला ब्यूरो

नौ बड़ी रक्षा इकाइयों ने शुरू कर दिया उत्पादन, यूपी डिफेंस कॉरिडोर में अब तक 33896 करोड़ का निवेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर ने रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। छह नोड्स में से नौ प्रमुख रक्षा इकाइयों ने वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है और अब तक कॉरिडोर में 33,896 करोड़ रुपये का निवेश आ चुका है। कानपुर, झांसी और लखनऊ रक्षा विनिर्माण के बड़े गढ़ बनकर उभरे हैं।

2018 में उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) की स्थापना की गयी थी। यह गलियारा प्रदेश के छह नोड्स कानपुर, झांसी, लखनऊ, अलीगढ़, आगरा और चित्रकूट में फैला है। यूपीडा की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से लगभग 62 कंपनियों को जमीन आवंटित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त लगभग 10 कंपनियों के लिए लीज डीड की प्रक्रिया चल रही है। डिफेंस क्षेत्र की कंपनी एमकेयू के एमडी मनोज गुप्ता का कहना है कि डिफेंस कॉरिडोर से यूपी देश में रक्षा उत्पादन के बड़े केंद्र के रूप में उभरा है।

अडाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने कानपुर में 1500 करोड़ की लागत से बने गोला-बारूद निर्माण संयंत्र में संचालन शुरू कर दिया है जो अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। अलीगढ़ में एमिटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने 330 करोड़ के निवेश के साथ उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम व सैटेलाइट तकनीक का उत्पादन शुरू किया है। वेरीविन डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड ने 65 करोड़ के निवेश से छोटे हथियारों का निर्माण शुरू किया है, जबकि नित्या क्रिएशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 12 करोड़ के निवेश से प्रिसिशन आर्म्स कंपोनेंट्स का उत्पादन शुरू किया है।

मिसाइल सिस्टम का नया केंद्र बना लखनऊ

लखनऊ रक्षा विनिर्माण और मिसाइल सिस्टम्स का नया केंद्र बनकर उभरा है। एरोलॉय टेक्नोलॉजीज ने 320 करोड़ के निवेश से टाइटेनियम कास्टिंग का संचालन शुरू किया है। डीआरडीओ की ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने 300 करोड़ की लागत से ब्रह्मोस एनजी मिसाइल सिस्टम के उत्पादन और असेंबली की शुरुआत की है। संकल्प सेफ्टी सॉल्यूशंस ने 14 करोड़ के निवेश से सुरक्षा उपकरण और रक्षा कपड़ों का निर्माण शुरू किया है। कानपुर में एआर पॉलिमर्स प्राइवेट लिमिटेड ने 48 करोड़ के निवेश से बैलिस्टिक मैटेरियल्स और सुरक्षा गियर का उत्पादन शुरू किया है। इसके अतिरिक्त, आधुनिक मटेरियल्स एंड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड ने 38.58 करोड़ के निवेश से डिफेंस टेक्सटाइल्स का निर्माण शुरू हुआ है।